छात्रों को केंचुआ प्रजातियों की पहचान बताई

हमीरपुर : करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण लेने के बाद जूलॉजी विभाग के छात्र सामूहिक चित्र में। (राजीव)

हमीरपुर, 12 अक्तूबर (राजीव): करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय में केंचुओं की प्रजातियों की पहचान पर प्रशिक्षण करवाया गया। जूलॉजी विभाग की असिस्टैंट प्रो. डा. शैलजा ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर में सुभाष चंद्र बोस मैमोरियल राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर के स्नातकोत्तर के छात्र व सहायक प्रो. संजय चौहान शामिल हुए। उन्होंने प्रशिक्षण में आए हुए विद्यार्थियों को बताया कि केंचुओं की कई प्रजातियां होती हैं। देश में इनकी 400 से अधिक प्रजातियां हैं।

उन्होंने बताया कि कैसे टैक्सोनोमिक कुंजियों का उपयोग करके केंचुआ प्रजातियों की पहचान की जाती है। यह भी समझाया गया है कि टैक्सोनोमिक कुंजियों की पहचान में कुछ बहुत ही विशिष्ट लक्षण शामिल हैं, जैसे लंबाई, खंड संख्या, क्लाइटेलम व नर-मादा छिद्र का स्थान आदि। केंचुए मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इन्हें पृथ्वी के आंत्र के रूप में भी जाना जाता है।

करियर प्वाइंट विवि में केंचुआ की प्रजातियों की पहचान पर दिया प्रशिक्षण

कैंप में जानकारी देते अधिकारी व अन्य।

सवेरा न्यूज/ सुरेश, डिडवीं टिक्कर : करियर प्वाइंट विश्वविद्यालय में केंचुआ की प्रजातियों की पहचान पर प्रशिक्षण करवाया गया। जूलॉजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. शैलजा ने बताया कि इस प्रशिक्षण जिसमें सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल (एमएससीबीएम) गवर्नमेंट कॉलेज के स्नातकोत्तर छात्रों व सहायक प्रोफेसर संजय चैहान शामिल हुए। यह प्रशिक्षण जूलॉजी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. शैलजा द्वारा दिया गया। उन्होंने प्रशिक्षण में आए हुए विद्यार्थियों को बताया कि बताया कि केंचुओं की कई प्रजातियां होती हैं। देश में 400 से अधिक प्रजातियां हैं। कैसे टैक्सोनोमिक कुंजियों का उपयोग करके केंचुआ प्रजातियों की पहचान की जाती है । यह भी समझाया गया है कि टैक्सोनोमिक कुंजियों की पहचान में कुछ बहुत ही विशिष्ट लक्षण शामिल हैं जैसे लंबाई, खंड संख्या, क्लाइटेलम, नर मादा छिद्र का स्थान आदि। केंचुए मिट्टी के पारिस्थितिकी तंत्र का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इन्हें पृथ्वी के आंत्र के रूप में भी जाना जाता है।